

B.A. 6th SEMESTER (HONOURS) EXAMINATION, 2021 (CBCS)

Subject : Sanskrit

Paper : DSE-III

Time : 3 hours

Full Marks : 60

*The figures in the margin indicate full marks.*

*Candidates are required to give the answers in their own words as far as practicable.*

प्रश्नपत्रेहस्मिन् Group-'A' and Group-'B' इति विभागद्वयं वर्तते। प्रथमतः परीक्षार्थिभिः सावधानतया स्मर्यते  
एको विभागे निश्चेतव्यः। अतःपरं प्रश्नपत्रस्य निर्देशानुसारेण प्रश्नाः समाधेयाः। (एहं प्रश्नपत्रे Group-'A' एवं  
Group-'B' एहं द्वौ विभाग विद्यमान। प्रथमतः परीक्षार्थी सावधानतावशतः स्मर्यते एकं विभागं थके  
निश्चयरूपे उन्तर देवेन। एरपरं प्रश्नपत्रे निर्देशानुसारे उन्तर करणीय।

**Group : A**

**(Fundamentals of Ayurveda)**

1. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु यथोचितं षण्णं प्रश्नानामुन्तरं लेखनीयम्। तत्र द्वयस्योन्तरं सुरगिरा करणीयम्। 5×6=30  
(निचेर प्रश्नगुलिर मध्ये ये कोनो ह्यटि प्रश्नेर उन्तर दाओ। तार मध्ये दूटि प्रश्नेर उन्तर संस्कृतभाषाय करणीय।)
  - a) आयुर्वेदस्य किं लक्षणम्? कस्य वेदस्य उपवेदः? आयुर्वेदशास्त्रस्य उत्सस्थानं समुपस्थापयाम्।  
(आयुर्वेदशास्त्रे लक्षण की? कोन् वेदेर उपवेद? आयुर्वेदशास्त्रे उत्सस्थानं उपस्थापन करो।)
  - b) 'चिकित्सासारसंग्रहः' इत्यस्य आयुर्वेदग्रन्थस्य उपरि एका टीका प्रदेया।  
('चिकित्सासारसंग्रह' एहं आयुर्वेदग्रन्थे उपर एकं टीका लेख।)
  - c) भावमिश्रः कः बभूव? आयुर्वेदस्येतिहासे तस्य अवदानं किमासीत्?  
(भावमिश्र के छिलेन? आयुर्वेदेर इतिहासे तार अवदान की छिल?)
  - d) आयुर्वेदस्य मुख्यप्रयोजनं लिखयाम्।  
(आयुर्वेदेर मुख्य प्रयोजन लेख।)
  - e) रोगभेदप्रसङ्गे आयुर्वेदे किं वर्णनं लक्षणीयम्?  
(रोगभेदप्रसङ्गे आयुर्वेदे की वर्णना लक्षणीय?)
  - f) अधोलिखितस्य कस्यचिदेकस्य सरलसंस्कृतेन व्याख्या कार्या।  
(निम्ने उल्लिखित ये कोन एकं प्रश्नेर सरल संस्कृते व्याख्या करो।)
    - i) अग्नेन जातानि जीवन्ति।

or

ii) तपो ब्रह्मेति।

- g) উপনিষৎসু গূঢ়ার্থতত্ত্বং পাঠ্যাংশমবলম্বা বিরচয়তু।  
(উপনিষদের গূঢ়ার্থতত্ত্ব পাঠ্যাংশ অবলম্বনে রচনা করো।)
- h) বরুণস্য সমীপে ভৃগুঃ কথং জগাম সংক্ষেপেণ বিব্রিয়তাম্।  
(বরুণের সমীপে ভৃগু কেন গিয়েছিলেন কারণটি সংক্ষেপে লেখো।)
2. অধোলিখিতেষু প্রশ্নত্রয়ং সমাধেয়ম্। 10×3=30  
(নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে তিনটি প্রশ্নের উত্তর করণীয়।)
- a) বৌদ্ধযুগে আয়ুর্বেদস্য প্রভাবঃ সংক্ষেপেণ সমুল্লিখ্যতাম্।  
(বৌদ্ধযুগে আয়ুর্বেদের প্রভাব সংক্ষেপে সমুল্লেখ করো।)
- b) টীকাছয়ং লিখ্যতাম্। (দুটি টীকা লেখ।) 5×2=10  
i) রসায়নম্ ii) কৌমারভূতাতন্ত্রম্।
- c) আয়ুর্বেদশাস্ত্রেষু চরকসংহিতামাশ্রিত্য অষ্টস্থানানি সংক্ষেপেণ বিব্রিয়ন্তাম্।  
(আয়ুর্বেদশাস্ত্রগুলোর মধ্যে চরকসংহিতাকে আশ্রয় করে তার অষ্টস্থানগুলো সংক্ষেপে বর্ণনা করো।)
- d) তৈত্তিরীয়োপনিষদঃ উদ্ভবকারণং নির্ণেয়ম্। অনয়া উপনিষদা কিং প্রয়োজনং সাধ্যতে?  
(তৈত্তিরীয়োপনিষদের উদ্ভবের কারণটি কী? এই উপনিষদটি কী প্রয়োজন সাধন করে?)
- e) 'প্রাণেন জাতানি জীবন্তি'—ইতি মন্ত্রবাক্যং কুত্র সমুপলভ্যতে? যুগ্মাকং পাঠ্যাংশমনুসৃত্য  
বাক্যমিদমালোচ্যতাম্। 1+9  
('প্রাণেন জাতানি জীবন্তি'—কোথায় এই বাক্যটি লব্ধ হয়? তোমাদের পাঠ্যাংশ অনুসরণে বাক্যটি আলোচনা করো।)

### Group : B

#### (Environmental Awareness in Sanskrit)

1. অধোলিখিতেষু প্রশ্নেষু যথোচিতং ষণ্মাং প্রশ্নানামুত্তরং লেখনীয়ম্। তত্র প্রশ্নছয়ং সুরগিরা সমাধেয়ম্। 5×6=30  
(নিম্নে লিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে যে কোনো ছয়টি প্রশ্নের উত্তর দাও। তার মধ্যে দুটি প্রশ্নের উত্তর সংস্কৃতভাষায় করণীয়।)
- a) 'শুদ্ধবৈরং বিবাদঞ্চ ন কুর্য্যাৎ ....' ইত্যস্য শ্লোকপাদস্য তাৎপর্যং নিরূপ্যতাম্।  
('শুদ্ধবৈরং বিবাদঞ্চ ন কুর্য্যাৎ ...' এই শ্লোকপাদটির তাৎপর্য নিরূপণ করো।)
- b) 'আত্মার্থঞ্চ ক্রিয়ারণ্ডো ...' ইত্যস্য মনুবচনস্য কিমন্তুর্নিহিতং গূঢ়ার্থতত্ত্বং বিদ্যতে?  
('আত্মার্থঞ্চ ক্রিয়ারণ্ডো ...' এই মনুবচনের কী অন্তর্নিহিত গূঢ়ার্থতত্ত্ব বিদ্যমান?)
- c) একতরস্য শ্লোকস্য সুরগিরা ব্যাখ্যা কার্য।  
(সংস্কৃতভাষায় একটি শ্লোকের ব্যাখ্যা করো।)
- i) কেশগ্রহান্ প্রহারাংশচ শিরস্যেতান্ বিবর্জয়েৎ।  
শিরঃস্নাতশ্চ তৈলেন নাস্তং কিঞ্চিদপি স্পৃশেৎ।।